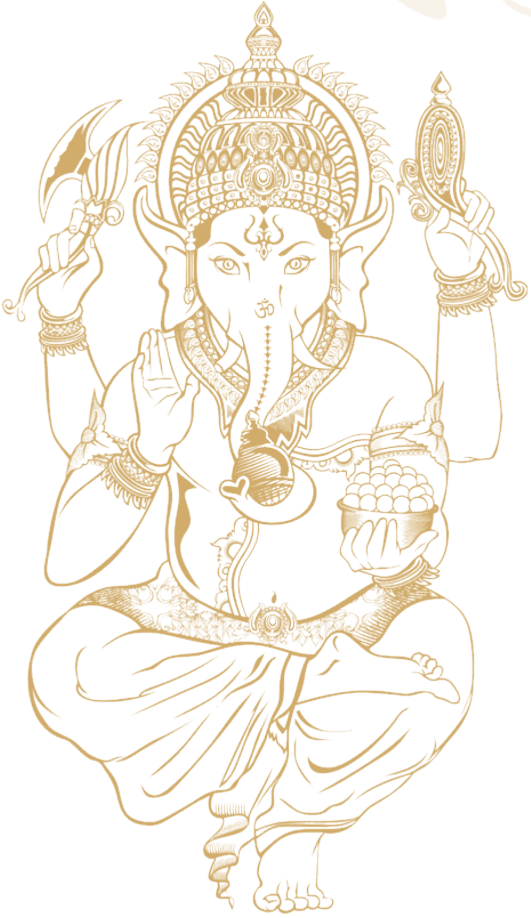

Yashraj

07 Jan 2005

07:10 PM

Rath

Model: web-freekundliweb

Order No: 121893606

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**07/01/2005**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**19:10:00 घंटे**
इष्ट	30:26:01 घटी
स्थान	**Rath**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:36:00 उत्तर
रेखांश	79:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:11:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:58:16 घंटे
वेलान्तर	-00:06:16 घंटे
साम्पातिक काल	02:07:09 घंटे
सूर्योदय	06:59:35 घंटे
सूर्यास्त	17:36:42 घंटे
दिनमान	10:37:07 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	23:26:15 धनु
लग्न के अंश	14:28:51 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	गण्ड
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	14:28:51	312:18:09	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	---
सूर्य			धनु	23:26:15	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	मित्र राशि
चंद्र			वृश्चि	12:05:18	14:37:46	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	नीच राशि
मंगल			वृश्चि	14:57:36	00:41:31	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	स्वराशि
बुध			धनु	02:34:02	01:19:18	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
गुरु			कन्या	23:55:46	00:04:38	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
शुक्र			धनु	03:23:58	01:15:09	मूल	2	19	गुरु	केतु	सूर्य	सम राशि
शनि	व	अ	कर्क	00:28:45	00:04:53	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	04:48:09	00:05:55	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	मंगल	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	04:48:09	00:05:55	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	शुक्र	सम राशि
हर्ष			कुंभ	10:15:32	00:02:36	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप			मक	20:08:38	00:02:05	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	केतु	---
प्लूटो			वृश्चि	29:02:00	00:02:06	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	---
दशम भाव			मेष	10:06:38	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:55:30

लग्न-चलित

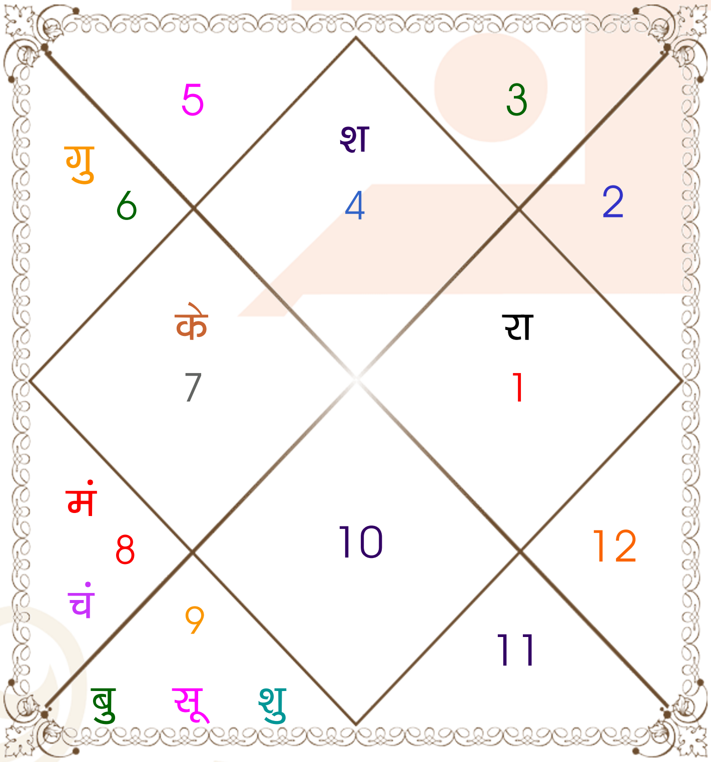

चन्द्र कुंडली

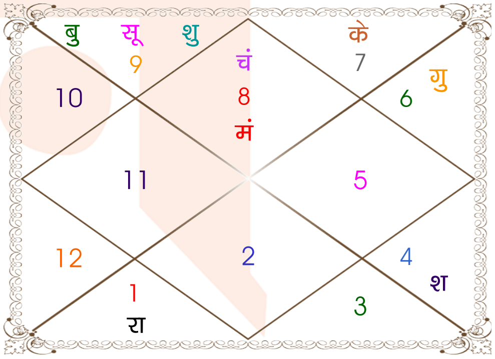

नवमांश कुंडली

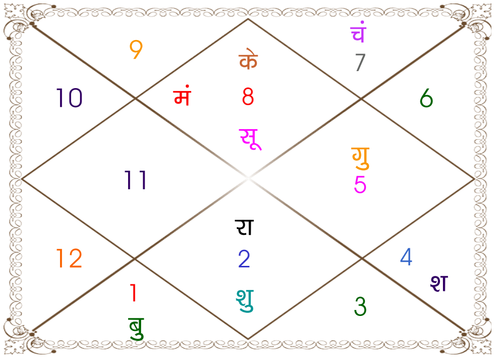

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 6 वर्ष 6 मास 8 दिन

शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष
07/01/2005	**18/07/2011**	**18/07/2028**	**18/07/2035**	**18/07/2055**
18/07/2011	**18/07/2028**	**18/07/2035**	**18/07/2055**	**18/07/2061**
00/00/0000	बुध 14/12/2013	केतु 14/12/2028	शुक्र 17/11/2038	सूर्य 05/11/2055
00/00/0000	केतु 11/12/2014	शुक्र 13/02/2030	सूर्य 17/11/2039	चंद्र 05/05/2056
00/00/0000	शुक्र 11/10/2017	सूर्य 21/06/2030	चंद्र 18/07/2041	मंगल 10/09/2056
00/00/0000	सूर्य 17/08/2018	चंद्र 20/01/2031	मंगल 17/09/2042	राहु 05/08/2057
07/01/2005	चंद्र 17/01/2020	मंगल 18/06/2031	राहु 17/09/2045	गुरु 24/05/2058
चंद्र 19/01/2005	मंगल 13/01/2021	राहु 05/07/2032	गुरु 18/05/2048	शनि 06/05/2059
मंगल 28/02/2006	राहु 02/08/2023	गुरु 11/06/2033	शनि 18/07/2051	बुध 12/03/2060
राहु 04/01/2009	गुरु 07/11/2025	शनि 21/07/2034	बुध 18/05/2054	केतु 18/07/2060
गुरु 18/07/2011	शनि 18/07/2028	बुध 18/07/2035	केतु 18/07/2055	शुक्र 18/07/2061

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
18/07/2061	**18/07/2071**	**18/07/2078**	**18/07/2096**	**19/07/2112**
18/07/2071	**18/07/2078**	**18/07/2096**	**19/07/2112**	**00/00/0000**
चंद्र 18/05/2062	मंगल 14/12/2071	राहु 30/03/2081	गुरु 05/09/2098	शनि 22/07/2115
मंगल 17/12/2062	राहु 01/01/2073	गुरु 24/08/2083	शनि 19/03/2101	बुध 31/03/2118
राहु 17/06/2064	गुरु 08/12/2073	शनि 30/06/2086	बुध 25/06/2103	केतु 10/05/2119
गुरु 17/10/2065	शनि 17/01/2075	बुध 16/01/2089	केतु 31/05/2104	शुक्र 10/07/2122
शनि 18/05/2067	बुध 14/01/2076	केतु 04/02/2090	शुक्र 30/01/2107	सूर्य 22/06/2123
बुध 17/10/2068	केतु 11/06/2076	शुक्र 03/02/2093	सूर्य 18/11/2107	चंद्र 08/01/2125
केतु 18/05/2069	शुक्र 11/08/2077	सूर्य 29/12/2093	चंद्र 19/03/2109	00/00/0000
शुक्र 17/01/2071	सूर्य 17/12/2077	चंद्र 30/06/2095	मंगल 23/02/2110	00/00/0000
सूर्य 18/07/2071	चंद्र 18/07/2078	मंगल 18/07/2096	राहु 19/07/2112	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 6 वर्ष 5 मा 17 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ वृश्चिक राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि में ही द्रेष्काण उदित था। आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आपका जीवन उज्जवल एवं फलदायक है। परन्तु आपके स्वास्थ्य से सम्बंधित कतिपय सतर्कतापूर्ण निर्देश प्राप्त होते हैं।

प्रायः कर्क राशीय प्रभाव से आप शारीरिक रूप से बाल्यावस्था में सुकुमार रहेंगे। बल्कि आयु वृद्धि के साथ-साथ आपकी शारीरिक अभिवृद्धि भी होगी तथा शारीरिक स्थिति में सुधार संभव है। तथापि वृश्चिक नवमांश के प्रभाव से आप दुःसाहसिक कदम उठाएंगे। फलस्वरूप आप कतिपय रोगों से आक्रान्त हो सकते हैं। उत्तम तो यह है कि आप पाचन क्रिया के कारण कुष्ठ रोगादि उत्पन्न होने के पूर्व ही सतर्कता अपनाना ठीक है। आपको सतत ही सन्धिवात अर्थात् गाँठ के दर्द (गठिया) वाय, अलसर, गौस्टिक रोग एवं नितम्ब बेदना रोग उत्पन्न होने के प्रति रक्षित रहें। आप उत्तम स्वास्थ्य लाभ हेतु नियमितता बनाए रखें तथा अधिक भोजन करने की आदत नियंत्रण रखें।

अकारण मद्यपान की निवृति की अनुशंसा करे। अर्थात् त्याग करें।

आप बहुत धनोपार्जन करेंगे तथा आपके पास धन कोष पर्याप्त रहेगा। यह सुनिश्चित है, जबकि आप एकाग्रचित होकर स्वतः अपने कार्य उद्देश्य के सफलता की प्राप्ति हेतु दृढ़तापूर्वक प्रयासरत रहें। आपके जीवन का भाग्यशाली समय 36 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा। आप अपनी अति अभिलाषा पर नियंत्रण रखें तथा अपने उद्देश्य को कार्यरूप दें। आप में ऐसा गुण विद्यमान है कि आप विश्वसनीयता पूर्वक कार्य सम्पादन करेंगे। आप मंत्रि पद एवं उच्च कार्यकारी पदाधिकारी पद पर आसीन हो सकते हैं। बशर्ते कि विश्वास पूर्वक अपनी प्रतिष्ठा को सम्मान जनक बना सके। आपके लिए व्यवसाय जल से सम्बंधित कार्य है। यथा तटबन्ध, नहर-सिचाई, कृषि एवं जहाजरानी सम्बंधी कार्य अनुकूल होंगे।

आप जनसामान्य हेतु ज्योतिषीय कार्य अर्थात् भविष्यवक्ता, शिक्षण कार्य आदि आध्यात्मिक व्यवस्था को पसन्द करते हैं। क्योंकि आपने विश्वसनीयता पूर्वक आध्यात्मिक ज्ञान का प्रशिक्षण प्राप्त किया है। आपकी उच्चाकांक्षा है कि आप दर्शनीय तीर्थस्थानों का भ्रमण कर, लोक कल्याणकारी कार्य प्रस्तुत करेगें। आपमें यह गुण विद्यमान है कि बहुसंख्यक प्राणी आपकी विश्वसनीयतापूर्ण आध्यात्मिक समर्पण की प्रशंसा करेंगे। आप विश्वसनीयता को प्राथमिकता देकर प्रशंसित व्यवसाय करेंगे तथा सदैव आपका व्यवहार जनसाधारण द्वारा प्रशंसित रहेगा।

आप उच्च कोटि के भावुक प्राणी है। आप अपने परिवार के साथ पूर्णतः सम्बंधित रहेगे। आप अपनी पत्नी के पूर्ण स्नेह प्रदान करने के लिए तत्पर रहकर अपने पारिवारिक सदस्यों की उन्नति और सुधार के लिए त्याग करेंगे। तथापि आप अपनी आश्चर्यजनक उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने के अभ्यास का आचरण करें। इसमें सन्देह नहीं कि आप सदैव शान्त रहते हैं, तथापि शीघ्रतापूर्वक पुनः समत्वबुद्धि (धैर्य) धारण कर लेते है। परन्तु इस

प्रवृति का दृश्यान्त आंशिक हानिप्रद होता है। अतः आप इस बेसुधपना को अनिवार्य रूप से शान्ति पूर्ण बना लें तथा निश्चिततापूर्वक विश्राम ग्रहण करें।

आप अपने स्तर के बहुसंख्यक मित्र अपनी यात्रा क्रम में बनाएंगे। आपकी अभिलाषा है कि आपका मित्रतापूर्ण संबंध शुभकांक्षाओं से युक्त एवं विश्वास जनक हो। आप अपने मित्रों के साथ आमोद-प्रमोद युक्त आनन्द एवं प्रीति मिलन मुक्तहस्त से अपने आवास पर उदारतापूर्ण आनन्द प्राप्त करेंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए अंक, 4 एवं 6 अंक भाग्यशाली प्रमाणित होगा एवं अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त है। आपके लिए रंग ब्लू एवं हरा रंग उपयुक्त नहीं अस्तु आपके लिए लाल, पीला, सफेद एवं क्रीम रंग फलदायक प्रतीत होता है।